भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2319
जिसका उत्तर मंगलवार, 03 दिसम्बर, 2019 को दिया जाना है

मोटर-वाहन उद्योग में निर्यात

2319. श्री एच. वसंतकुमार:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान मोटरवाहन उद्योग द्वारा कार और अन्य उत्पादों के निर्यात की राष्ट्र-वार और उत्पाद-वार मात्रा और मूल्य क्या है;

(ख) वैश्विक आर्थिक मंदी का भारतीय उद्योगों और विशेषकर देश के मोटरवाहन क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) देश भर में गत तीन वर्षों के दौरान सभी उद्योगों में कितने कामगारों की नौकरी गई है; और

(घ) क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने और कामगारों और उद्योग के हितों की रक्षा करने हेतु निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क) सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार ऑटोमोबाइल उद्योग द्वारा किए गए निर्यात की मात्रा और मूल्य के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:-

ऑटोमोबाइल निर्यात	2016-17	2017-18	2018-19
निर्यात किए गए वाहनों की संख्या (हजार में)	3480	4042	4629
मिलियन यूएस अमेरिकी डॉलर में मूल्य	9634.33	10935.76	11026.99
वृद्धि की प्रतिशतता		16.15	14.50

(स्त्रोत:एसआईएएम)

इसके अलावा, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के निर्यात से संबंधित ब्यौरे वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के www.dgciskol.gov.in<datadissemination portal पर उपलब्ध हैं।

(ख) और (ग): पिछले कुछ महीनों से ऑटो सेक्टर सहित सभी क्षेत्रों में आवर्ती मंदी है। लेकिन त्यौहारी माँग से यात्री वाहन सेगमेंट में 0.3% की दर से वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई है। उद्योग द्वारा अस्थाई कामगरों की छटनी की सूचना दी गई है। तथापि, सरकार के पास रोजगार खोने के कोई निश्चित आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(घ) जब कभी आवश्यक होता है, सरकार एक नीति निर्माता के रूप में हमेशा ऑटो सेक्टर के व्यापक और सतत विकास के लिए अनेक उपायों के माध्यम से अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने एवं इसमें सुधार करने का प्रयास करती है।

*****